भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या: *184
12 दिसंबर, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

केरल में लेप्टोस्पायरोसिस के मामले

***184. श्री वी. के. श्रीकंदनः**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने केरल के विभिन्न जिलों में लेप्टोस्पायरोसिस के मामलों में वृद्धि और इसके कारण होने वाली मौतों पर ध्यान दिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या 15 नवम्बर, 2025 तक राज्य में लगभग 6,000 मामले सामने आ चुके हैं और 400 लोगों की मृत्यु हो चुकी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या यह सच है कि लेप्टोस्पायरोसिस सबसे अधिक कष्टप्रद और घातक संक्रामक रोगों में से एक बन गया है जिससे केरल में प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में लोगों की मृत्यु होती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या उपचारात्मक कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं; और

(घ) क्या सरकार का विचार इस घातक बीमारी से निपटने के लिए केरल को सहायता प्रदान करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री
(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

12 दिसंबर, 2025 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं. 184 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क) से (घ): चूंकि जन स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए बीमारियों की निगरानी, रिपोर्टिंग और इस संबंध में कार्रवाई करने की प्राथमिक जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। केरल राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, 1 जनवरी, 2025 से 5 दिसंबर, 2025 तक लेप्टोस्पायरोसिस के 3259 पुष्ट मामले और 209 मृत्यु के मामले दर्ज किए गए हैं। केरल सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, लेप्टोस्पायरोसिस के मामलों और इससे होने वाली मृत्यु का जिला-वार विवरण संलग्न है।

केरल में लेप्टोस्पायरोसिस स्थानिक बीमारी है और यह मानसून के मौसम में होती है। यह मंत्रालय राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के माध्यम से 12 स्थानिक राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों (गुजरात, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, असम, गोवा, पंजाब, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव संघ राज्य क्षेत्रों) में लेप्टोस्पायरोसिस की रोकथाम एवं नियंत्रण कार्यक्रम (पीपीसीएल) लागू कर रहा है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य निगरानी और निदान को सुदृढ़ करके, मामलों का शीघ्र पता लगाकर और उपचार प्रदान करके, रोगी परिचर्या में सुधार करके, क्षमता निर्माण और अंतर-क्षेत्रीय समन्वय को बढ़ाकर लेप्टोस्पायरोसिस के कारण होने वाली रुग्णता और मृत्यु दर को कम करना है। कार्यक्रम के अंतर्गत की गई पहलों में राज्य और जिला स्वास्थ्य व्यवसायिकों का प्रशिक्षण, सतत चिकित्सा शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से निजी चिकित्सकों का संवेदीकरण, वार्षिक व्यावहारिक प्रयोगशाला प्रशिक्षण, राज्य जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला (तिरुवनंतपुरम, केरल सहित) (जूनोसिस की रोकथाम और नियंत्रण के लिए) का सुदृढ़ीकरण और राष्ट्रीय एकल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत देशभर में 75 निगरानी केंद्रों (जिनमें केरल में 5 केंद्र शामिल हैं) की स्थापना शामिल है। सूचना, शिक्षा, संवाद (आईईसी) सामग्री, ई-लर्निंग मॉड्यूल, परिचालन दिशानिर्देश, आईडीएसपी-आईएचआईपी के अनुरूप मानकीकृत वास्तविक रिपोर्टिंग प्रारूप, मौसमी सलाह और मीडिया-आधारित घटना निगरानी भी उपलब्ध हैं। संबंधित विवरण निम्नलिखित लिंक पर देखे जा सकते हैं;

- (https://ncdc.mohfw.gov.in/wp-content/uploads/2025/07/Advisory-Leptospirosis-DGHS-DO-letter-May2025.pdf)
- https://ncdc.mohfw.gov.in/programe-for-prevention-and-control-of-leptospirosis/

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत, यह मंत्रालय राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं में प्रस्तुत प्रस्तावों के आधार पर, मानदंडों और संसाधनों की उपलब्धता के अधीन, उनकी स्वास्थ्य परिचर्या प्रणालियों को मजबूत करने के लिए तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

अनुलग्नक-I

केरल में जिला-वार लेप्टोस्पायरोसिस के मामले और इस बीमारी से होने वाली मौतें (जनवरी, 2025 से 5 दिसंबर, 2025 तक)		
	पुष्ट मामलों की संख्या	मृत्यु के पुष्ट मामलों की संख्या
तिरुवनंतपुरम	583	15
कोल्लम	164	9
पथानामथिट्टा	209	3
इडुक्की	93	10
कोट्टायम	117	9
अलाप्पुझा	155	10
एर्नाकुलम	492	30
त्रिशूर	340	36
पलक्कड़	198	17
मलप्पुरम	275	20
कोझिकोड	242	19
वायनाड	82	12
कन्नूर	215	14
कासरगोड	94	5
कुल	**3259**	**209**

स्रोत: केरल सरकार

******